Shri NrisimhAshtakam 3

श्रीनृसिंहाष्टकम् ३

Document Information

Text title : Nrisimha Ashtakam 3

File name : nRRisiMhAShTakam3.itx

Category : vishhnu, dashAvatAra, aShTaka, vishnu

Location : doc_vishhnu

Transliterated by : Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com

Proofread by : Ganesh Kandu, NA, PSA Easwaran

Description/comments : shodhagangA thesis about Nrisimha cult Appendix 1

Latest update : July 13, 2018

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

December 22, 2023

sanskritdocuments.org

Shri NrisimhAshtakam 3

श्रीनृसिंहाष्टकम् ३

ध्यायामि नारसिंहाख्यं ब्रह्मवेदान्तगोचरम् ।
भवाब्धितरणोपायं शङ्खचक्रधरं पदम् ॥

नीलां रमां च परिभूय कृपारसेन
स्तम्भं स्वशक्तिमनघां विनिधाय देवीम् ।
प्रह्लादरक्षणविधायवती कृपा ते
श्रीनारसिंह परिपालय मां च भक्तम् ॥ १॥

इन्द्रादिदेवनिकरस्य किरीटकोटि
प्रत्युप्तरत्नप्रतिबिम्बितपादपद्म ।
कल्पान्तकालघनगर्जनतुल्यनाद
श्रीनारसिंह परिपालय मां च भक्तम् ॥ २॥

प्रह्लाद ईड्य प्रलयार्कसमानवक्त्र
हुङ्कारनिर्जितनिशाचरवृन्दनाथ ।
श्रीनारदादिमुनिसङ्घसुगीयमान
श्रीनारसिंह परिपालय मां च भक्तम् ॥ ३॥

रात्रिञ्चराद्रिजठरात्परिस्त्रंस्यमानं
रक्तं निपीय परिकल्पितसान्त्रमाल ।
विद्राविताखिलासुरोग्रनृसिंहरूप
श्रीनारसिंह परिपालय मां च भक्तम् ॥ ४॥

योगीन्द्र योगपरीरक्षक देवदेव
दीनार्तिहरि विभवागमगीयमान ।
मां वीक्ष्य दीनमशरण्यमगण्यशील
श्रीनारसिंह परिपालय मां च भक्तम् ॥ ५॥

प्रह्लादशोकविनिवारण भद्रसिंह

नक्तञ्चरेन्द्र मदखण्डन वीरसिंह ।
इन्द्रादिदेवजनसन्नुतपादपद्म
श्रीनारसिंह परिपालय मां च भक्तम् ॥ ६॥

तापत्रयाब्धिपरिशोषणबाडवाग्ने
ताराधिपप्रतिनिभानन दानवारे ।
श्रीराजराजवरदाखिललोकनाथ
श्रीनारसिंह परिपालय मां च भक्तम् ॥ ७॥

ज्ञानेन केचिदवलम्ब्य पदांबुजं ते
केचित्सुकर्मनिकरेण परे च भक्त्या ।
मुक्तिं गताः खलु जना कृपया मुरारे
श्रीनारसिंह परिपालय मां च भक्तम् ॥ ८॥

नमस्ते नारसिंहाय नमस्ते मधुवैरिणे ।
नमस्ते पद्मनेत्राय नमस्ते दुःखहारिणे ॥

इति श्रीनृसिंहाष्टकं सम्पूर्णम् ।

Encoded by Ganesh Kandu kanduganesh at gmail.com
Proofread by Ganesh Kandu, PSA Easwaran

Shri NrisimhAshtakam 3
pdf was typeset on December 22, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*